

S-1-23

पत्रावली पैरा 5ई | वादी की ओर से कोई अपार्षित नहीं होने पर बार-बार आवान लगे के बावजूद वादी एवं वादी के आविवक्त अनुपार्षित रहे। वादी एवं आविवक्त वादी अपने द्वारा प्रस्तुत वाद के आगे चलाने के प्रति गंभीर नहीं होने के कारण वादी का वाद अदम हाजरी एवं अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। निर्णय आज दिनांक 5-1-23 को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली पैरा 5 अंश 1 के अनुसार वादी के नम्बर से कम है।

उप जिला कलक्टर  
लवाण

